प्रतिभागी समूह

इस आयोजन में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सरकारी तथा सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त विद्यालयों के अतिरिक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्ज़ामिनेशनस, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, रा.शै.अ.प्र.प. के बहुउद्देशीय प्रायोगिक विद्यालय के निम्न आयु वर्ग (01-04-2024 को) के छात्र और छात्राएँ प्रतिभागी होंगे।

(i) 10-14 वर्ष (मिडिल स्तर)

(ii) 14-16 वर्ष (सेकेंडरी स्तर)

विद्यालयों और अधिकारियों से अनुरोध है कि वह 'योग ओलम्पियाड' में विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की सक्रिय प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।

योग ओलम्पियाड के आयोजन के स्तर

मिडिल और सेकेंडरी स्तर पर जीतने वाले चार छात्राएँ और चार छात्र अगले स्तर पर भाग लेंगे।

खंड स्तर— योग ओलम्पियाड का यह पहला स्तर है, जहाँ समस्त सरकारी विद्यालय अपनी प्रविष्टियाँ भेज सकते हैं यदि उचित लगे और सहूलियत हो तो भाग लेने वाले विद्यालयों की संख्या, संसाधनों की उपलब्धता इत्यादि के आधार पर आयोजक सीधा जिला स्तर पर भी 'योग ओलम्पियाड' आयोजित करने का निर्णय कर सकते हैं।

जिला स्तर— योग ओलम्पियाड का यह दूसरा स्तर है, जहाँ खंड स्तर पर जीतने वाली टीमें भाग ले सकेंगी।

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश/इकाई स्तर— यह योग ओलम्पियाड का तीसरा स्तर है, जहाँ जिला/जोन/संभाग स्तर पर जीतने वाली टीमें भाग ले सकेंगी।

राष्ट्रीय स्तर— यह योग ओलम्पियाड का अंतिम एवं निर्णायक स्तर है, जिसमें प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, के.वि.स., न.वि.स., रा.आ.छा.शि.स., के.मा.शि.बो., का.फा.इं.स.स.ए., वि.भ.अ.भ.शि.सं. और ब.प्रा.वि. से 16 विद्यार्थी; मिडिल स्तर से 4 छात्र और 4 छात्राएं और सेकेंडरी स्तर से 4 छात्र और 4 छात्राएँ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

कार्यक्रम

उद्घाटन

18 जून 2024 प्रातः 10:00 बजे

दीक्षांत समारोह सभागार, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु, कर्नाटक

योगिक प्रदर्शन

18-19 जून, 2024

प्रथम तल, प्रौद्योगिकी खंड, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक

समापन एवं पुरस्कार वितरण

20 जून 2024 प्रातः 10:00 बजे

प्रौद्योगिकी चतुर्भुज,क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक

मुख्य संरक्षक

आचार्य दिनेश प्रसाद सकलानी, निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प.

संरक्षक

आचार्य श्रीधर श्रीवास्तव, संयुक्त निर्देशक, रा.शै.अ.प्र.प.
श्री अमन शर्मा, सचिव, रा.शै.अ.प्र.प.
आचार्य अमरेन्द्र पी. बेहरा, संयुक्त निर्देशक, के.शै.प्रौ.सं.
आचार्य गौरी श्रीवास्तव, डीन (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प.
आचार्य वाई. श्रीकांत, प्राचार्य, क्षे.शि.सं. मैसूरु

संपर्क

नियंत्रण कक्ष - 1800-599-0060

डॉ. मुकेश कुमार वर्मा कार्यक्रम समन्वयक, सह-आचार्य, सा.वि.शि.वि., रा.शि.सं.	**9452018827**
आचार्य कल्पना वेणुगोपाल समन्वयक, रा.यो.ओ., क्षे. शि. सं. मैसूरु	**9449621343**
डॉ. पी. एस. राजू वेटुकुरी सह-समन्वयक, रा.यो.ओ., क्षे. शि. सं. मैसूरु	**9871239700**
डॉ. शिवानंद चिन्नाप्पनवर संयोजक-नियंत्रण कक्ष एवं परिवहन समिति	**9019125990**
आचार्य सी. जी. वेंकटेश मूर्ति संयोजक-सुरक्षा एवं संरक्षा समिति	**9448959012**
आचार्य वी. एस. प्रसाद संयोजक-आवास समिति	**9449759474**
डॉ. वी. प्रसाद संयोजक-भोजन एवं जलपान समिति	**9880370826**
डॉ. टी. वी. सोमशेखर संयोजक-चिकित्सा देखभाल समिति	**9481633249**
श्री बिनोद कुमार प्रशासनिक अधिकारी, क्षे.शि.सं. मैसूरु	**9205815429**

राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड

विषय: योग - स्वयं और समाज के लिए

18–20 जून, 2024

योग – स्वयं और समाज के लिए

यत्रोपरमते चित्तं निरुद्धं योगसेवया |
यत्र चैवात्मनात्मानं पश्यन्नात्मनि तुष्यति ||

भगवद्गीता

उद्घाटन एवं समापन समारोह | सेकेंडरी छात्र | सेकेंडरी छात्राएँ | मिडिल छात्र | मिडिल छात्राएँ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक प्रचार हेतु कार्यक्रमों और नीतियों पर केंद्र और राज्य सरकारों की सहायता और सुझाव के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) 1961 में भारत सरकार द्वारा एक स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित की गई।

रा.शै.अ.प्र.प.के मुख्य उद्देश्य हैं—

- विद्यालयी शिक्षा से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान करना, अनुसंधान को प्रोत्साहित, प्रकाशित और समन्वित करना।
- आदर्श पाठ्यपुस्तकों, पूरक सामग्रियों, न्यूज लेटर्स/समाचार पत्रिका, पत्रिकाओं, शैक्षणिक किट, मल्टीमीडिया डिजिटल सामग्री इत्यादि का विकास एवं प्रकाशन करना।
- अध्यापकों के लिए सेवापूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण का आयोजन करना।
- राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों और गैर सरकारी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग और संपर्क स्थापित करना।

विद्यालयों के लिए योग

योग को बढ़ावा देना हमारी संस्कृति की नींव को मजबूत करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. की गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। योग हमारे देश की विरासत का एक अंश है जिसका एक लंबा इतिहास है जिसमें स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन पर जोर दिया गया है। योग एक ऐसी गतिविधि है जिसे हमारे दैनिक जीवन में शामिल करने की आवश्यकता है। हाल के वर्षों में, योग और स्कूली शिक्षा में इसके एकीकरण को पर्याप्त महत्त्व दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षार्थियों में, न केवल वैचारिक, अपितु आत्मिक और बौद्धिक रूप से भी भारतीय होने का गर्व पैदा करती है। कोविड़-19 महामारी के दौरान योग ने हमारी प्रतिरक्षक निर्माण प्रणाली और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने में सहायता की।

योग 'स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा' का एक अभिन्न अंग है, जो माध्यमिक स्तर तक की पाठ्यचर्या का एक अनिवार्य विषय है। योग को छठी कक्षा से शुरू किया गया है, हालांकि प्राथमिक स्तर से ही यौगिक गतिविधियां अनौपचारिक तरीके से शुरू हो सकती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के दौरान, रा.शै.अ.प्र.प. ने "योग: जीवन जीने का एक स्वस्थ तरीका" नामक पाठ्यपुस्तक का विमोचन उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर हेतु अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में किया। 'स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा' स्वास्थ्य की एक समग्र परिभाषा को अपनाती है जिसके अंतर्गत शारीरिक शिक्षा और योग बच्चों के समग्र विकास में योगदान करते हैं।

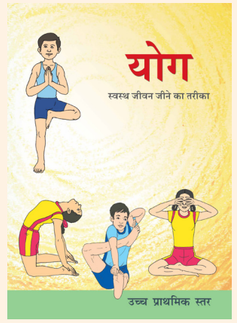

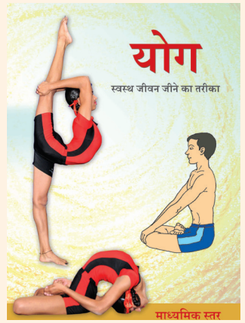

राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड

रा.शै.अ.प्र.प. ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विद्यालयों में योग को प्रोत्साहित करने के लिए 'राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड' का शुभारंभ किया। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत के बाद वर्ष 2016 में पहली बार 'राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड' का आयोजन रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा किया गया।इस वर्ष भी, एनसीईआरटी अपने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक में राष्ट्रीय योग ओलंपियाड का आयोजन कर रहा है। योग के माध्यम से नई पीढ़ी में साझेदारी, देखभाल, शांति, सद्भाव और प्रेम की भावना को विकसित किया जा सकता है। योग ओलम्पियाड योग व्यवहारों की समझ विकसित करने में, जीवन में इसके उपयोग और परिणामत: बच्चों के मानसिक, शारीरिक और संवेदनात्मक विकास करने में मददगार होगा। इस योग ओलम्पियाड के दौरान योग व्यवहारों जैसे– आसन, प्राणायाम, शोधन क्रिया (Cleansing Process), ध्यान (Meditation), बंध और मुद्रा (केवल माध्यमिक स्तर के लिए) का आकलन किया जाएगा।

राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड एक यात्रा (2016-2023)

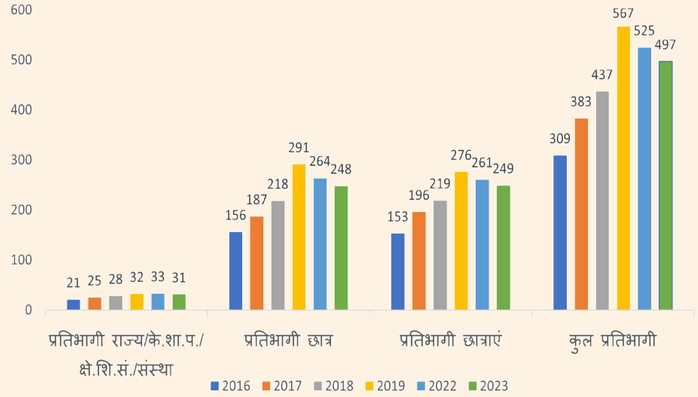

राष्ट्रीय ऑनलाइन योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

कोविड़-19 महामारी के दौरान योग के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए, 21 जून, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ऑनलाइन योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें 64,725 विद्यार्थीयों ने भाग लिया। 2021 में एक बार फिर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 1,04,313 विद्यार्थियों ने भाग लिया। योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अलावा, रा.शै.अ.प्र.प. ने 21 जून, 2021 से 15 दिनों के लिए योग प्रदर्शन पर सीधा प्रसारण सत्र भी आयोजित किया। योग पर सीधा प्रसारण को दर्शकों ने खूब सराहा। वर्ष 2022 मे 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दो कार्यक्रमों, राष्ट्रीय ऑनलाइन योग प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और राष्ट्रीय योग ओलंपियाड का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय ऑनलाइन योग क्विज़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की कुल संख्या 31,305 थी। महामारी के बाद ऑनलाइन और फिजिकल दोनों मोड में आयोजित कार्यक्रम जबरदस्त सफल रहे।